

**सीपज** वि. (तद्.) सीप से उत्पन्न, मोती।

**सीपति** पुं. (तद्.) श्रीपति, लक्ष्मीपति, विष्णु।

**सीपर** स्त्री. (फा.) (सिर पर) ढाल।

**सीपसुत** पुं. (तद्.+तत्.) मोती, मौक्तिक।

**सीपिज** पुं. (तद्.) मोती।

**सीपी/सीपी** स्त्री. (तद्.) 1. सीप, शक्ति 2. इस प्राणी का खोल।

**सीबी** स्त्री. (अनु.) सी-सी की आवाज, सीत्कार।

**सीमंत** पुं. (तत्.) 1. सीमा का चिह्न या रेखा 2. स्त्रियों के सिर की माँग 3. 'सीमंतोन्नयन' नामक एक वैदिक संस्कार जिसमें विवाह संस्कार के समय दूल्हे द्वारा दुल्हन की माँग में सिंदूर भरा जाता है।

**सीमंतक** पुं. (तत्.) 1. सीमंत या माँग निकालने की क्रिया 2. माँग में भरा जाने वाला सिन्दूर।

**सीमंतवान** वि. (तत्.) 1. सीमा वाला 2. जिसके केशों के बीच में माँग निकली हुई हो।

**सीमंतोन्नयन** पुं. (तत्.) 1. एक वैदिक संस्कार जो प्रथम सगर्भा स्त्री के गर्भ के चौथे, छठे या आठवें महीने में किया जाता है 2. विवाह संस्कार के समय वर द्वारा वधू की माँग में सिंदूर भरने की रस्म।

**सीम** स्त्री. (देश.) दे. सीमा, सरहद।

**सीमक** पुं. (तत्.) 1. सीमा, सरहद 2. विस्तार की लंबाई, घेरा।

**सीमल** पुं. (देश.) दे. (सं.शाल्यलि) सेमल वृक्ष जिसमें लाल फूल निकलते हैं और सुगंध रहित होते हैं, इसके गोल फलों से रुई निकलती है जो काले छोटे बीजों को घेरे रहती है।

**सीमांकन** पुं. (तत्.) 1. किसी खेत, ग्राम, नगर या क्षेत्र आदि की सीमा अंकित करना, सीमा के निशान लगाना 2. सीमा निर्धारित करना।

**सीमांकित** वि. (तत्.) 1. जिसकी सीमा अंकित की गई हो या हदबंदी कर दी गई हो 2. जिसकी सीमा का निर्धारण कर दिया गया हो।

**सीमांत** पुं. (तत्.) 1. सीमा की समाप्ति, सीमा का अंत 2. ग्राम, नगर आदि की सीमा, सरहद 3. लिखे जाने वाली कागज के पार्श्व में छोड़ा जाने वाला स्थान, उपांत, हाशिया।

**सीमांत उत्पादन/उपज** पुं. (तत्.) बाणि. ऐसा उत्पादन या उपज जिससे बस खर्चा ही निकल सके, न लाभ हो और न हानि हो।

**सीमांत उपयोगिता** स्त्री. (तत्.) बाणि. खपत की अंतिम इकाई की उपयोगिता, वस्तु का पूरा उपयोग।

**सीमांत पूजन** पुं. (तत्.) बारात आते समय कन्या पक्ष द्वारा ग्राम की सीमा पर किया जाने वाला वर-पूजन।

**सीमांत प्रदेश** पुं. (तत्.) किसी देश की सीमा पर स्थित प्रदेश, सीमा प्रदेश।

**सीमांत बांध** पुं. (तत्.) आचरण संबंधी नियम या मर्यादा।

**सीमांत विक्रेता** पुं. (तत्.) केवल लागत मूल्य पर सामान बेचने वाला विक्रेता जिसे उस पर न लाभ हो या हानि।

**सीमांतित** वि. (तत्.) 1. माँग/सीमंत की तरह अलग किया हुआ 2. रेखा से विभाजित किया हुआ 3. केशों के बीच में माँग निकाला हुआ।

**सीमांतिनी** स्त्री. (तत्.) नारी, स्त्री (जिसने माँग निकाली हो)।

**सीमांतिनी शिखा** स्त्री. (तत्.) अग्रगण्य नारी/महिलाओं में श्रेष्ठ।

**सीमा** स्त्री. (तत्.) 1. किसी देश/क्षेत्र/प्रदेश/राज्य आदि के विस्तार को सीमित करने वाली रेखा, हद, सरहद 2. विस्तार की लंबाई, घेरा 3. वह स्थान या बात आदि जहाँ तक कोई काम करना उचित हो, किसी नियम आदि की हद या आचरण की मर्यादा 4. खेत की मेड़ 5. लाक्ष. पराकाष्ठा, चरम बिन्दु, सीमा, छोर मुहा. सीमा से बाहर जाना- मर्यादा लाँघना।